पारिवारिक विघटन का अर्थ एवं कारण

पारिवारिक विघटन का अर्थ पारिवारिक सदस्यों के मध्य पारस्परिक निष्ठा में कमी आने एवं व्यक्तिवादिता में वृद्धि से है। मॉकर ने अपनी पुस्तक 'Disorganization: Personal and Social' में पारिवारिक विघटन का अर्थ समझाते हुए कहा है कि, "पारिवारिक विघटन का अर्थ पारिवारिक संबंधों में बाधा पड़ना अथवा यह संघर्षों की उस स्थिति का वह चरम रूप है जो परिवार की एकता के लिए खतरा पैदा कर देता है। ये संघर्ष किसी भी प्रकार के हो सकते हैं लेकिन संघर्षों की इसी स्थिति को पारिवारिक विघटन कहते हैं।"

पारिवारिक विघटन के कारणों को इलियट मरिल ने मुख्यतः तीन भागों में विभाजित किया है (1) समाज की संरचना में परिवर्तन (2) परिवार के कार्यों में परिवर्तन (3) वैयक्तिक तथा सामाजिक तनाव। कुछ अन्य सामान्य कारण निम्नवत हैं—

(1) सामाजिक संरचना में परिवर्तन: सामाजिक संरचना के निर्माण में सामाजिक मूल्यों तथा लोगों की प्रस्थिति-भूमिका का योगदान होता है। इनमें होने वाला परिवर्तन पारिवारिक संगठन पर प्रभाव डालता है। नए मूल्यों के कारण ही परिवार के सदस्यों की भूमिकाओं में संघर्ष दृष्टिगोचर होता है।

(2) परिवार में व्यक्तिवादिता: जैसे-जैसे परिवार में व्यक्तिवादिता बढ़ती है, सदस्यों के संबंधों में दूरी आने लगती है। यह भावना विवाह-विच्छेद, पारिवारिक विघटन तक के लिए जिम्मेदार है।

(3) परस्पर अविश्वास: वर्तमान युग में नए सामाजिक मूल्यों, व्यवसाय के नए तरीके तथा आर्थिक जीवन में स्त्रियों के प्रवेश के कारण पति-पत्नी दोनों को ही अपने से विषम लिंग के लोगों के निकट सम्पर्क में आने का अवसर मिलता है, जिसके फलस्वरूप परस्पर अविश्वास और अशांति की समस्या पैदा होती है।

(4) दोषपूर्ण व्यक्तित्व : कुछ लोगों का व्यक्तित्व क्रूर, अमानवीय, शोषणकारी होता है। ऐसे व्यक्ति जब अन्य पारिवारिक सदस्यों के प्रति अपमानजनक व्यवहार करते, अपने सुख के लिए दूसरों की भावनाओं की कद्र नहीं करते तो परिवार में तनाव, कलह बढ़ जाता है।

(5) वैवाहिक मूल्यों में पतन : आज विवाह को धार्मिक बन्धन ना मानकर समझौता माना जाता है, जिसे अपनी इच्छानुसार कभी भी तोड़ा जा सकता है।

(6) निर्धनता - बेरोजगारी : यह दोनों दबाव परिवार में तनाव को बढ़ाती है। आवश्यक सुविधाएं एवं इच्छाएं पूरी ना होने पर सदस्यों के संबंध टूटने लगते हैं।

(7) व्यवसायिक तनाव : कुछ व्यवसायों की प्रकृति ऐसी है कि व्यक्ति परिवार को पूरा समय नहीं दे पाता, जिससे परिवार में कलह पैदा होता है।

(8) इसके अतिरिक्त भी कुछ अन्य कारण हैं जो परिवार के विघटन का कारण बनते हैं, जैसे, औद्योगीकरण, नगरीकरण, अस्वस्थ मनोरंजन आदि।